चाची के घर में गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स

“यह कहानी है गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स की … जगह के कारण मेरी गर्लफ्रेंड से चुदाई नहीं कर पा रहा था. मेरी चाची से बहुत बनाती है. मैंने चाची की मदद लेने की सोची. …”

Story By: (rajarya1)
Posted: Thursday, October 25th, 2018
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: चाची के घर में गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चाची के घर में गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स

दोस्तो, यह कहानी है मेरी गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स की … मेरा नाम राज है और मैं मन्दसौर सिटी का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना का बड़ा प्रशंसक हूँ. मुझे सेक्स करना बहुत पसंद है.

ये बात तब की है, जब मैं 12 वीं की पढ़ाई कर रहा था. उस वक्त मेरी एक साल पुरानी एक गर्लफ्रेंड थी. हम मिलते तो बहुत थे, बस मौका और जगह के कारण चुदाई नहीं कर पाते थे. मेरी गर्लफ्रेंड के बारे में आपको बता दूँ कि वो बहुत सेक्सी और हॉट लड़की है, उसका फिगर बहुत मस्त है.

एक दिन मैंने प्लान बनाया. मैं अपनी चाची के घर गया, जो मेरे घर से थोड़ी ही दूरी पे था. मेरी और मेरी चाची की आपस में बहुत बनती है, तो मैंने उनसे बात करते हुए बताया कि मेरी एक गर्लफ्रेंड है.

वो चौंक गईं और बोलीं- तू तो इतना मासूम और शरीफ लगता है.. तूने कब जीएफ बना ली ?
मैंने कहा- चाची मैं जैसा दिखता हूँ, वैसा हूँ नहीं.
इस बात पे वो हंस दीं और बोलीं- बता बात क्या है ?

अब मैं चुदाई की बात करने में थोड़ा सा घबराने लगा.

वो बोलीं- घबरा मत और आराम से बोल.. वैसे तो मैं समझ गयी थी, लेकिन तेरे मुँह से सुनना चाहती हूँ.
मैंने फट से बोल दिया- मैं उसके साथ सेक्स करना चाहता हूँ, उसे आपके घर पे लाना

चाहता हूँ.
पहले तो चाची डर गईं और मना करने लगीं. फिर मैं बोला- चाची, प्लीज़ मान जाओ ना.
मैंने 2-3 बार बोला, तो वो मान गईं और बोलीं- तुमको मुझे एक हफ्ते तक गोल गप्पे खिलाने पड़ेंगे.
मैंने हंस कर हां बोल दिया.

उसके बाद अगले दिन मैं स्कूल गया. वहां अपनी गर्लफ्रेंड से मिला और उसको बोला- कल हम दोनों मेरी चाची के घर पे मिलेंगे.
उसने हां बोल दिया.
अब मैं अगले दिन का इंतजार कर रहा था. रात को में उसके ही सपने देख रहा था.

अगले दिन सुबह हुई, मैं तैयार हो कर स्कूल चला गया और स्कूल के गेट के बाहर खड़ा हो गया. जैसे ही मेरी गर्लफ्रेंड आई.. मैंने उसको बाईक पे बिठाया और चाची के घर पे ले आया.
मैंने आवाज़ लगाई- चाची..!
तो चाची काम करते हुए आईं और दरवाजा खोला. बाहर हम दोनों को खड़ा देखा तो झट से घर के अन्दर ले लिया.

हम दोनों सोफे पर बैठे और चाची पानी लेकर आईं, हम दोनों ने पानी पिया और उनकी तरफ देखने लगे. चाची मेरी जीएफ को देखे जा रही थीं. मेरी जीएफ शर्म से गड़ी हुई अपनी नजरें नीची किए बैठी थी.
मैंने चाची से कहा- चाची, हम दोनों कौन से कमरे में जाएं ?
चाची के घर में चार कमरे हैं, तो चाची बोलीं- मेरे कमरे में चला जा.

मैं फट से उठा और गर्लफ्रेंड को साथ में लेकर चाची के कमरे में चला गया.

चाची अपना काम करने में लग गईं. हम दोनों कमरे के अन्दर पहुंचे और मैंने जल्दी से दरवाजा लगाकर उसको अपनी बांहों में कस के भर लिया. वो भी मेरे साथ कसके गले से लग गयी. मैंने उसको चूमना चालू कर दिया, वो भी मेरा साथ देने लगी और हम दोनों जमकर एक दूसरे को चूमने लगे. हमारी चूमाचाटी करीब 15 मिनट तक चली. फिर मैंने उसकी शर्ट को उतार दिया, उसने भी मेरी शर्ट को उतार दिया.

वो पिंक कलर की ब्रा में क्या मस्त लग रही थी.. एकदम क़यामत ढा रही थी. उसके गोरे गोरे और बड़े चूचे ब्रा से बाहर आने को मचल रहे थे. मैं ब्रा के ऊपर से उसके बोबे मसलने लगा और उसको चूमने लगा. वो भी गर्म होने लगी.

मैंने उसकी ब्रा उतार दी, तो उसके दोनों बोबे मेरे सामने फुदकने लगे. मैं उसके एक बोबे को जोर से दबाने लगा और दूसरे बोबे को चूसने लगा. कसम से बहुत मजा आ रहा था यार. मैं उसके निप्पलों को मसलने लगा और वो जोर से आहें भरने लगी. वो बोली- लगती है जानू.. थोड़ा धीरे दबाओ न.

कुछ देर बाद मैंने उसकी पैन्ट उतारी. मैंने अपनी पैन्ट तो पहले ही उतार दी थी. उसकी गोरी गोरी जांघों पे मैंने हाथ फेरना शुरू कर दिया और उसके पेट पर चूमने लगा. वो भी चुदास से तड़पने लगी.

धीरे धीरे में नीचे आने लगा और उसकी पैन्टी पे हाथ फेरा तो उसकी पैन्टी गीली हो चुकी थी. वो ब्लैक कलर की पैन्टी में बहुत मस्त लग रही थी. मैंने उसकी पैन्टी उतार कर फेंक दी और उसकी क्लीन चूत को सहलाने लगा. तभी मैंने उसकी चूत में उंगली कर दी तो वो झटके से उठ गयी.

वो बोली- राज आराम से करना.. बहुत दर्द होता है.
उसका पहली बार था तो, मैंने उसको बोला- मेरी जान मैं बहुत प्यार से करूँगा.

मैं उसको लिप किस करने लगा. मैंने उसकी टांगों को फैलाया और नीचे आकर उसकी चूत को चूमने लगा. मेरा ये सब पहली बार था तो मुझे थोड़ा अजीब सा लगा.. लेकिन मुझे मजा आने लगा और में उसकी चूत को चाटने लगा.

वो जोर जोर से 'आह्ह्ह्ह आह्ह्ह सीईईईई..' करने लगी. वो मेरा मुँह अपनी चूत में दबाने लगी.. मैं जोर जोर से उसकी चूत में जीभ रगड़ने लगा. तभी उसने मेरे मुँह पे पानी छोड़ दिया… मैं भी उसकी चुत के पानी को पी गया. बड़ा मस्त लग रहा था. उसकी चूत का खट्टा और कसैला सा रस मैं पूरा पी गया.

अब मैंने उसको अपना लंड उसके मुँह में दे दिया.. उसने बिना कुछ बोले मेरा लंड अपने मुँह में ले लिया और चाटने लगी. मैं उसके मुँह को चोदने लगा और कुछ ही देर में उसके मुँह में ही झड़ गया.

उस कमीनी ने मेरे लंड को खूब चूसा और सारा पानी पी गयी. मेरा लंड तो वो पहले भी कई बार टाकीज या पार्क वगैरह में चूस चुकी थी.

मैं फिर से उसके नीचे की तरफ आ गया और उसकी टाँगों को चौड़ा करके और अपना लंड उसकी चूत पे सैट कर दिया. उसने भी चुदाई के लिए अपनी चुत खोल दी थी. मैंने जोर से झटका मार दिया, मुझे पता था कि लंड घुसेगा तो वो बहुत चिल्लायेगी और रोयेगी.. तो मैंने पहले से उसका मुँह अपने हाथ से दबा रखा था. वही हुआ, लंड घुसा तो उसकी आवाज़ निकलने को हुई.. लेकिन वहीं दब गयी.

मैंने देर न करते हुए तुरंत एक और पूरी ताकत से झटका दिया और मेरा पूरा 7 इंच का लंड, उसकी प्यारी सी चूत में उतार दिया.
वो जोर जोर से रोने लगी और बोली- राज छोड़ दो मुझे..
मैंने उसको सहलाया और किस किया और बोबे दबाने लगा. क़रीब दस मिनट बाद वो थोड़ी

शांत हुई, तो मैंने उसको सहलाते हुए धीरे धीरे लंड को आगे पीछे करने लगा.

वो 'आह्ह्ह्ह्ह्ह आअह्ह्ह..' करने लगी और बोलने लगी- आह.. राज़ धीरे करो..
मैंने धीरे धीरे करके स्पीड तेज कर दी और जोर जोर से उसको चोदने लगा.

वो जोर जोर से 'आअह्ह्ह्ह... उम्म्ह... अहह... हय... याह... आआह.. राज्ज..' करने लगी और कमरे में उसकी कराह भरी आवाजें गूंजने लगीं.
मैंने उसकी चिल्ल-पों पर कोई ध्यान नहीं दिया और जोर जोर से उसे चोदने लगा.

वो झड़ने वाली थी, उसने मुझे कसके पकड़ लिया और 'आह.. राज़ज़्ज़..' बोल कर झड़ गयी. मुझे मेरे लंड पे गर्म खून का अहसास हुआ और साथ उसके पानी से लंड पे बहुत गर्म अहसास होने लगा.

कुछ देर धक्के देने के बाद मैं भी झड़ गया और उसके ऊपर ही लेट गया. हम दोनों एक दूसरे को चूमने लगे. मैंने टाइम देखा तो हमको आए हुए 2 घंटे हो गए थे. मैंने उसको उठाया और कपड़े पहने.
वो कहने लगी- राज़ बहुत दर्द हो रहा है.
वो सही से चल नहीं पा रही थी, तो मैंने दरवाजा खोल के चाची को आवाज़ लगाई. वो झट से आ गईं.

मैंने बोला- उसको बाथरूम में ले जाना है.
चाची बोलीं- ठीक है.. ले जा.
मैंने कहा- चाची, उसे बहुत दर्द हो रहा है.
तो चाची ने बोला- कमीने थोड़ा धीरे करना था न.
मैंने कहा- मैंने धीरे से ही किया.
चाची हंस कर बोलीं- तू उसे गोद में उठा कर बाथरूम में ले जा, मैं गर्म पानी लाती हूँ.

मैं उसको उठा कर बाथरूम में ले गया और उसकी चूत को अच्छे से साफ किया. उसने मुझे गाल पे चूम लिया.

वो बोली- आय लव यू.. तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.
मैंने भी उसे किस किया और कहा- हां बहुत प्यार करता हूँ.
इतने में चाची आ गईं और बोलीं- प्यार हो गया हो तो.. ये ले गर्म पानी और अपनी जान की चूत की सिकाई कर दे.

मैं चाची के मुँह से चुत सुनकर जोर से हंस दिया. चाची मुझे पानी दे कर चली गईं.

मैंने उसकी चूत पे गर्म पानी से सेंक किया तो उसको आराम मिला. फिर मैंने उसे कपड़े पहनाये, इतने में चाची आ गईं और बोलीं- चलो दोनों नाश्ता कर लो.

हम तीनों ने साथ में नाश्ता किया और चाची बोलीं- इसे अब घर छोड़ कर आजा.

मैंने उसको बाइक पे बिठाया और उसके घर से 20 कदम दूर उसको छोड़ कर चाची के घर आ गया और चाची को बहुत बहुत धन्यवाद बोला.

इसके बाद मैं वहां से अपने घर को निकल गया.

दोस्तो, ये थी मेरी कहानी गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स की … आपको कैसी लगी.. कमेन्ट करके जरूर बताएं. मेरी ईमेल आईडी है.
rajarya1438@gmail.com